CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 01

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**
   एक ज़माना था जब मुहल्लेदारी पारिवारिक आत्मीयता से भरी होती थी। सब मिल-जुलकर रहते थे। हारी-बीमारी, खुशी-गम सब में लोग एक-दूसरे के साथ थे। किसी का किसी से कुछ छिपा नहीं था। आज के लोगों को शायद लगे कि लोगों की । अपनी 'प्राइवेसी' क्या रही होगी, लेकिन इस 'प्राइवेसी' के नाम पर ही तो हम एक-दूसरे से कटते रहे और कटते-कटते ऐसे । अलग हुए कि अकेले पड़ गए। पहले अलग चूल्हे-चौके हुए, फिर अलग मकान लेकर लोग रहने लगे, निजी स्वतंत्रता की । अपनी नई परिभाषा देकर यह एकाकीपन हमने स्वयं अपनाया है। मुहल्ले में आपस में चाहे कितनी चखचख हो, यह थोड़े ही संभव था कि बाहर का कोई आकर किसी को कड़वी बात कह जाए। पूरा मोहल्ला टिड्डी-दल की तरह उमड़ पड़ता था। देखते-देखते ज़माना हवा हो गया। मुहल्लेदारी टूटने लगी, आबादी बढ़ी, महँगाई बढ़ी, पर सबसे ज्यादा जो चीज़ दुर्लभ । हो गई, वह था आपसी लगाव, अपनापन। लोगों की आँखों का शील मर गया। देखते-देखते कैसा रंग बदला है। लोग अपने-आप में सिमट कर पैसे के पीछे भागे जा रहे हैं। सारे । नाते-रिश्तों को उन्होंने ताक पर रख दिया है, तब फिर पड़ोसी से उन्हें क्या लेना-देना है। यह नीरस महानगरीय सभ्यता महानगरों से चलकर कस्बों और देहातों तक को अपनी चपेट में ले चुकी है। मकानों में रहने वाले एक-दूसरे को नहीं । जानते। इन जगहों में आदमी का अस्तित्व समाप्त हो गया है। यदि आपको फ्लैट नंबर मालूम नहीं है, तो उसी बिल्डिंग में । जाकर भी वांछित व्यक्ति को नहीं ढूंढ पाएँगे। ऐसी जगहों में किसी प्रकार के संबंधों की अपेक्षा ही कहाँ की जा सकती है?

   i. प्रस्तुत गद्यांश के आशार पर बताइए कि मुहल्लेदारी के क्या लक्षण हैं? (2)

ii. आज के व्यक्ति को 'प्राइवेसी' के नाम पर क्या प्राप्त हुआ है? (2)
iii. पहले और आज के ज़माने में क्या अंतर आया है? (2)
iv. 'ताक पर रखना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए, वाक्य में प्रयोग कीजिए। (2)
v. प्राइवेसी शब्द का हिंदी अर्थ क्या है?
vi. प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा? (1)

Section B

2. शब्द कब तक शब्द ही रहता है, पद नहीं कहलाता? शब्द तथा पद के एक-एक उदाहरण दीजिए। **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

    i. अपने को संयत कर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। (संयुक्त वाक्य)
    ii. जीवन में पहिल बारिस तरह में विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य)
    iii. तताँरा को देखकर वह फूटकर रोने लगी (मिश्र वाक्य)।
    iv. वामिरो सचेत होकर घर की तरफ दौड़ी। (संयुक्त वाक्य)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)
    i. पाप-पुण्य
    ii. नीलकंठ
    iii. तुलसीकृत

    II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)
    i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई
    ii. राम और कृष्ण
    iii. पाँचों वटों का समाहार

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

    i. एक गर्म गिलास दूध पीकर सो जाओ।
    ii. क्या आप समाचार सुने हैं?
    iii. हम भी अध्यापक बनने के लिए फॉर्म भरे हैं।
    iv. रमेश और ममता घूमने गईं।
    v. पिता जी ने पुस्तक पढ़ा।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

    i. प्रधानाचार्य ने विद्यालय में अनुशासनहीनता के कारण सभी विद्यार्थियों को _______।
    ii. वीर संतानों ने _______ देश की रक्षा की।

iii. प्रतियोगी परीक्षाएँ कोई मज़ाक नहीं हैं। प्रश्न हल करने में ________ आ जाता है।

iv. भारत के बहादुर सैनिकों ने पाकिस्तान के सैनिकों के ________।

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. 'बड़े भाई साहब' पाठ के किन अंशों से पता चलता है कि- भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा है।

   ii. तताँरा द्वारा पूछने पर भी वामीरो उसे कोई जवाब क्यों नहीं दे रही थी? ततांँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

   iii. जापान के अस्सी प्रतिशत लोग किस रोग के शिकार हैं और इसका क्या कारण है? ‘पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

   iv. 26 जनवरी, 1931 को कलकत्ता के बड़े बाज़ार में राह चलते लोग किस दृश्य को देखकर उत्साहित हो रहे थे? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

8. आज के बदलते परिवेश मे संवेदनशील भावनाएँ समाप्त होती जा रही हैं। अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए। **(5)**

OR

वज़ीर अली द्वारा कंपनी के वकील की हत्या की घटना का वर्णन अपने शब्दों में कारतूस पाठ के आधार पर कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. कबीर ने ईश्वर का निवास कहाँ बताया है?

   ii. केशव केसवराई को दो भिन्न-भिन्न अर्थों को स्पष्ट कीजिए।

   iii. तोप की वर्तमान स्थिति का वर्णन 'तोप' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

   iv. क्या ‘आत्मत्राण’ कविता अन्य प्रार्थना गीतों से अलग है?

10. मनुष्यता कविता में वर्णित उशीनर, दधीचि और कर्ण के उन कार्यों का उल्लेख कीजिए जिससे वे मनुष्य को मनुष्यता की राह दिखा गए। **(5)**

OR

'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिक को बलिदान के समय भी दुःख का अनुभव क्यों नहीं होता है? बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती, तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

   ii. सपनों के से दिन कहानी के आधार पर पी.टी. साहब के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ बताते हुए लिखिए कि स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को महत्त्वपूर्ण आदमी, एक फौजी जवान क्यों समझता था?

Section D

12. **कंप्यूटर : आज की ज़रूरत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

   - कंप्यूटर का परिचय
   - कंप्यूटर की उपयोगिता
   - कंप्यूटर से होने वाली हानियाँ

OR

शारीरिक शिक्षा और योग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

   - शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
   - शारीरिक शिक्षा और योग
   - प्रभाव और अच्छे परिणाम

OR

कंप्यूटर : आज की ज़रूरत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

   - कंप्यूटर का परिचय
   - कंप्यूटर की उपयोगिता
   - कंप्यूटर से होने वाली हानियाँ

13. नगरों में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को रोकने हेतु किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

OR

नगरों में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को रोकने हेतु किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

14. विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रातःकाल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

आप शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली की छात्रा खुशी मेहरा हैं। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है। इस विषय पर 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

15. नौकर और मालिक के मध्य 'वेतन-वृद्धि के लिए हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

"बच्चों को शिक्षा के प्रति कम होता रुझान" विषय पर दो अध्यापिकाओं का वार्तालाप संवाद के रूप में लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. पर्स विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

जींस विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

Answer

Section A

1. i. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार, आपस में मिल-जुलकर रहना. एक-दूसरे के दुःख-सुख में साथ देना और आपस में कुछ भी न छिपाना मुहल्लेदारी के लक्षण हैं।
   ii. प्रस्तुत गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्राइवेसी के नाम पर हम एक-दूसरे से कटते रहे और कटते-करते ऐसे अलग हुए कि अकेले पड़ गए अर्थात् आज के व्यक्ति को । प्राइवेसी के नाम पर अलगाव और अकेलापन ही मिला है।
   iii. पहले के जमाने में मुहल्लेदारी पारिवारिक आत्मीयता से भरी होती थी। सब एकजुट होकर रहा करते थे। आज लोग अपने आप में सिमट कर रह गए हैं अर्थात् कमाने हेतु सारे रिश्ते-नाते तक उन्होंने तोड़-से दिए हैं।
   iv. 'ताक पर रखना' एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है-उपेक्षा करना। वाक्य-प्रयोग का उदाहरण-खिलाड़ियों ने अनुशासन का ध्यान न रखते हुए सारे नियमों को ताक पर रख दिया।
   v. निजता।
   vi. प्रस्तुत गद्यांश का केंद्रीय विषय संबंधों में आए परिवर्तन को उजागर करना है। इसलिए 'बदलते समय में संबंधों का हास' ही इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है।

Section B

2. सिद्धांत - स्वाभाविक प्रवृत्तियों की अपेक्षा परिश्रम को ही सफलता का आधार मानना
   उदाहरण - शब्द- मदन
   पद - मदन पढ़ रहा है।
3. i. उसने अपने आपको संयत किया और बेरुखी के साथ जवाब दिया।
   ii. जीवन में पहली बार इस तरह हुआ है कि मैं विचलित हुआ हूँ।
   iii. जैसे ही उसने तताँरा को देखा वैसे ही वह फूटकर रोने लगी।
   iv. वामीरो सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी।
4. I. i. पाप-पुण्य = पाप और पुण्य (द्वंद्व समास)
      ii. नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास), नीला है जो कंठ (कर्मधारय समास)
      iii. तुलसीकृत = तुलसी द्वारा कृत / तुलसी से कृत (तृतीया तत्पुरुष समास/ करण तत्पुरुष)
   II. i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई = बातों-बात (बहुब्रीहि समास)
      ii. राम और कृष्ण = राम-कृष्ण (द्वंद्व समास)
      iii. पाँचों वटों का समाहार = पाँच वटों का समूह - पंचवटी (द्विगु समास)
5. i. एक गिलास गर्म दूध पीकर सो जाओ।

ii. क्या आपने समाचार सुना है?
iii. मैंने भी अध्यापक बनने के लिए फॉर्म भरा है।
iv. रमेश और ममता घूमने गए।
v. पिताजी ने पुस्तक पढ़ी।

6. i. आड़े हाथों लिया
ii. सिर पर कफ़न बाँधकर
iii. दाँतों तले पसीना
iv. छक्के छुड़ा दिये

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:
   i. संयोग से उसी वक्त एक कटी हुई पतंग हमारे ऊपर से गुजरी। उसकी डोर लटक रही थी। लड़कों का एक गोल पीछे-पीछे दौड़ा चला आता था। भाई साहब लंबे थे, उन्होंने ही उछलकर उसकी डोर पकड़ ली और बेतहाशा हॉस्टल की ओर दौड़े। मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था। ये उनके भीतर बच्चा होने का प्रमाण है।
   ii. तताँरा द्वारा पूछने पर भी वामीरो उसे कोई जवाब इसलिए नहीं दे रही थी क्योंकि उसे अपने गाँव की परंपरा मालूम थी। उस परंपरा के अनुसार वह अन्य किसी गांव के लड़के के साथ बात नहीं कर सकती थी न ही किसी प्रकार के संबंध बना सकती थी और तताँरा उसके गाँव का नहीं था।
   iii. 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के अनुसार, जापान में अस्सी प्रतिशत लोग मानसिक रोगों के शिकार हैं। इसका सबसे बड़ा कारण तनाव है। अमेरिका से प्रतिस्पर्धा के कारण वे एक महीने का काम एक दिन में करने का प्रयास करते हैं। परिणामस्वरूप मानसिक तनाव बढ़ने लगता है और वे मानसिक रोगों के शिकार हो जाते हैं। मानसिक रोगों में वृद्धि करने वाले ये कारण पूर्णतः सही हैं। वैसे भी दिमाग की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है। उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है फिर एक क्षण ऐसा आता है। जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है। यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँँ बढ़ गए हैं।
   iv. 26 जनवरी, 1931 को कलकत्ता शहर में घरों, रास्तों को इस प्रकार सजाया गया था मानो कोई त्यौहार हो यह देख कर राह चलते लोग उत्साहित हो रहे थे। उस दिन बड़े बाज़ार के सभी मकानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। कुछ मकानों को तो अत्यंत भव्यता से सजाया गया था। लोग सुबह से ही रास्तों पर निकलना शुरू हो गए थे। इसके साथ ही सड़कों पर बड़ी संख्या में गोरखे सैनिक, सारजेंट तथा घुड़सवार पुलिस की तैनाती लोगों को बहुत प्रभावित कर रही थी |

8. लेखक कहना चाहता है कि आज उसका घर जहाँ पर है, वहाँ पहले पेड़ थे, पक्षी और अन्य जानवर भी थे | किन्तु बड़े-बड़े बिल्डरों ने बढ़ती आबादी को देखकर अपने फायदे के लिए समुद्र को पीछे धकेल कर वहाँ पर नई-नई बस्तियां बना रहे हैं | इन बस्तियों के बन जाने से कितने जीवों के घर उनसे छीन गए | लेखक के घर में भी दो कबूतरों ने अपना घोंसला बनाया हुआ था | अपने बच्चों को खिलाने के लिए वे दिनभर खिड़की से आते-जाते रहते थे | इस दिनभर कि आवाजाही में घर के कुछ समान गिर कर टूट जाते थे | कभी-कभी वे उनके पुस्तकालय में घुस कर किताबें गंदी करते या

कोई चीज गिराकर तोड़ देते थे | लेखक की पत्नी ने इस परेशानी से तंग होकर उनके घोंसले को वहाँ से हट दिया और खिड़की पर जाली लगवा दी | अब खिड़की के बाहर दोनों कबूतर उदास बैठे रहते हैं। अब न सोलोमेन है न लेखक की माँ जो उनकी व्यथा को महसूस कर सके या उनके दुख में सारी रात नमाज़ पढ़ सके। इस प्रकार आज के बदलते परिवेश में संवेदनशील भावनाएँ समाप्त होती जा रही हैं। मानव पत्थरदिल हो गया है।

OR

वज़ीर अली अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ था। अपने पाँच महीने के शासनकाल में उसने राज्य से अंग्रेजों का सफाया कर दिया था। अत: छल से वज़ीर अली को पद से हटाकर बनारस पहुँचा दिया और उसके लिए तीन लाख रूपये सालाना वजीफ़ा तय कर दिया तब कुछ महीने बाद गर्वनर जनरल ने उसे कोलकाता बुलाया। इस पर वज़ीर अली ने बनारस में रहने वाले वकील से शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता क्यों बुलाता है? वकील ने वज़ीर अली की एक न सुनी। उलटे उसे खरी-खोटी सूना दी। अंग्रेजों के विरुद्ध गुस्से की भावना से ओतप्रोत वज़ीर अली ने खंजर से उसकी हत्या कर दी और अपने साथियों के साथ आजमगढ़ की तरफ भाग गया। इस प्रकार कंपनी के वकील की हत्या करके वज़ीर अली ने कंपनी की नींदें हराम कर दी थी।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:
   i. कबीर ने ईश्वर का निवास सृष्टि के कण-कण में बताया है। वे किसी विशिष्ठ स्थान पर नहीं रहते हैं, बल्कि उनका निवास प्रत्येक प्राणी के हृदय में है। कबीर का मानना है कि ईश्वर कण-कण में निवास करते हैं, किंतु लोग अज्ञानतावश उन्हें देख नहीं पाते और इधर-उधर ढूँढ़ते रहते हैं। वे कहते है- मोको कहां ढूंढे रे बंदे ,मैं तो तेरे पास में ,
   ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद ना काबे कैलाश में।
   ii. कवि बिहारी ने केशव और केशवराय इन शब्दों का प्रयोग करके कृष्ण और अपने पिता में समानता दर्शाई है। पहला शब्द 'केशव' का अर्थ श्रीकृष्ण है, जो चंद्र कुल में जन्मे और ब्रज में आकर रहे हैं। दूसरा 'केसवराई' शब्द बिहारी ने अपने पिता के लिए प्रयोग किया है, जो द्विज अर्थात ब्राह्मण कुल में जन्मे और ब्रज में आकर रहे हैं।
   iii. सन् 1857 में जिस तोप ने अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को मौत के घाट उतार दिया था, जिस तोप के साथ ‘भय' और 'क्रूर' शब्द जुड़े थे, वही तोप अब कंपनी बाग के मुख्य द्वार पर मात्र प्रदर्शनी के लिए रखी हुई है। अब वह शांत है, न उसमें गोला-बारूद भरा हुआ है और न ही वह किसी मनुष्य की जान ले सकती है। अब उसके आसपास बच्चे, पक्षी आदि निर्भय होकर खेलते हैं।
   iv. कवि की यह प्रार्थना, अन्य प्रार्थना गीतों से प्रायः अलग लगती है। सामान्यतः प्रार्थना गीतों में ईश्वर से दुःख से मुक्ति की विनती होती है, सहायता की प्रार्थना होती है तथा संकटों से उबारने की व्याकुलता के साथ माँग होती है। ईश्वर को ही सब कुछ माना जाता है, माता-पिता, बंधु आदि सब कुछ। ऐसे प्रार्थना गीतों में आत्मविश्वास का अभाव होता है। 'आत्मत्राण' कविता में कवि ईश्वर की प्रार्थना किसी विपत्ति से उबरने के लिए नहीं करता, बल्कि विपदाओं में भयरहित संघर्षों की चेतना की चाह से करता है। कवि ईश्वर से सहायता नहीं चाहता, बल्कि वह 'पौरुष-बल' चाहता है, जिसके माध्यम से हर संकट का सामना वह साहस एवं गंभीरतापूर्वक कर सके। कवि ईश्वर से स्वयं को तारने की माँग नहीं करता, बल्कि तैरने (संकट से बाहर निकलने) की क्षमता प्रदान करने की

कामना करता है।

10. ‘मनुष्यता’ कविता में वर्णित उशीनर, दधीचि और कर्ण द्वारा किए गए कार्य इस प्रकार हैं-
    - **उशीनर** - इन्हें राजा शिवि के नाम से भी जाना जाता है। राजा उशीनर ने अपनी शरण में आए एक कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर से उसके वजन के बराबर माँस बाज को दे दिया। इस तरह दयालुता का अनुकरणीय कार्य किया।
    - **दधीचि** - महर्षि दधीचि ने दानवों को पराजित करने के लिए अपने शरीर की हड्डियाँ दान दे दीं जिनसे बज्र बनाकर दानवों को युद्ध में हराया गया और मानवता की रक्षा की गई।
    - **कर्ण** - कर्ण अत्यंत दानी वीर एवं साहसी योद्धा था। उसने ब्राह्मण वेशधारी श्रीकृष्ण और इंद्र को अपना कवच-कुंडल दान दे दिया। यह दान बाद में उसके लिए जानलेवा सिद्ध हुआ।

    इस प्रकार उक्त महापुरुषों ने अनूठे कार्य करके मानवता की रक्षा की और त्याग एवं परोपकार करके मनुष्य को मनुष्यता की राह दिखाई।

OR

किसी भी सैनिक का अपने देश या राष्ट्र के लिए बलिदान देना परम धर्म एवं कर्तव्य माना जाता है। इसी धर्म और कर्तव्य का पालन करते हुए एक सैनिक राष्ट्र हित में अपना बलिदान देते समय दुःखी नहीं होता; बल्कि गर्व का अनुभव करता है। वह अपनी भारत माता की रक्षा एवं सेवा के लिए सदैव तत्पर रहता है। वह अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी के साथ करता है। इस प्रकार कहा जाना चाहिए कि अपने धर्म और कर्तव्य का पालन करते समय हमें दुःखी नहीं होना चाहिए, बल्कि गौरवान्वित महसूस करते हुए अपने कर्तव्य का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए; जैसा कि हमारे देश के प्रत्येक सैनिक किया करते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
    1. मीडिया का साधन समाज में एक विशेष स्थान है। आज मीडिया समाज की हर घटना को लोगों के सामने लाने का काम कर रही है। मीडिया ने कई असहायक, अपंग, वृद्ध, मानसिक रूप से कमज़ोर व्यक्तियों के जीवन पर रिपोर्टिंग करके उनके जीवन की समस्याओं के प्रति समाज का ध्यान आकृष्ट करने का कार्य किया है। यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया पहुँच होती तो उन्हें वे सब परेशानियाँ और दुःख नहीं झेलने पड़ते, जो उन्होंने झेले। मीडिया आकर हरिरहर काका के ऊपर होने वाली जुल्म को पर्दाफाश कर देते थे।
       उनकी इस स्थिति का पता चलने पर मीडिया उनकी कहानी को समाज के सामने रखती, जिससे उनकी समस्या का समाधान आसानी से निकल पाता। में होती तो न तो ठाकुरबारी के साधु-संत एवं महंत और उनके सगे भाइयों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सकती थी।
    2. पाठ के अनुसार पी टी सर एक बहुत ही अनुशासन प्रिय इंसान हैं। यद्यपि अनुशासन के मामले में वे बहुत ही कठोर थे, तथापि वे एक कोमल हृदयी एक कुशल अध्यापक और प्रशिक्षक थे।
       स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को एक फौजी जवान समझता था क्योंकि वह अपने आप को फूल बूट और शानदार वर्दी नें फौजी जवानों की तरह परेड करता था। तथा पी टी सर द्वारा परेड में सीटी बजा कर आदेश देना एक फौजी जवान का अनुभव कराता था।

Section D

12. कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में लाखों-करोड़ों गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसान और समय बचाने वाली हो गई है। आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। कंप्यूटर आज जीवन की आवश्यकता बन गया है। अतः इसका सही ढंग से प्रयोग कर हम अपने जीवन में प्रगति कर सकते हैं|

OR

शारीरिक शिक्षा और योग

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। यह मन शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।

कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।

वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

OR

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में लाखों-करोड़ों गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसान और समय बचाने वाली हो गई है। आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति

आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। कंप्यूटर आज जीवन की आवश्यकता बन गया है। अतः इसका सही ढंग से प्रयोग कर हम अपने जीवन में प्रगति कर सकते हैं|

13. परीक्षा भवन,
मेरठ।
दिनांक 13 मार्च, 2019 सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
मेरठ।
विषय शहर में बढ़ते प्रदूषण के सदंर्भ में।
मान्यवर, मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान शहरों में कल-कारखानों के कारण होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे।
आज के आधुनिक युग में उद्योग-धंधों का तेज़ी से प्रसार हो रहा है। इनकी चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक केंद्रों में मशीनों से निकलने वाले कचरे से भी वायुमंडल में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण चाहे कैसा भी हो, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। वायुमंडल में शुद्ध वायु की कमी विभिन्न रोगों को जन्म देती है। अपने शहरों के चारों ओर स्थित अनेक उद्योग-धंधों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ तथा कोयले की राख आस-पास के निवासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।
मेरा मुख्यमंत्री, ज़िलाधीशों तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस ओर ध्यान दें तथा इस संबंध में आवश्यक एवं कठोर कदम उठाएँ, जिससे समस्या का उचित समाधान हो सके।
सधन्यवाद।
भवदीय,
जतिन

OR

परीक्षा भवन,
मेरठ।
दिनांक 13 मार्च, 2019 सेवा में,
संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

मेरठ।

विषय शहर में बढ़ते प्रदूषण के सदंर्भ में।

मान्यवर, मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान शहरों में कल-कारखानों के कारण होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे।

आज के आधुनिक युग में उद्योग-धंधों का तेज़ी से प्रसार हो रहा है। इनकी चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक केंद्रों में मशीनों से निकलने वाले कचरे से भी वायुमंडल में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण चाहे कैसा भी हो, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। वायुमंडल में शुद्ध वायु की कमी विभिन्न रोगों को जन्म देती है। अपने शहरों के चारों ओर स्थित अनेक उद्योग-धंधों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ तथा कोयले की राख आस-पास के निवासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

मेरा मुख्यमंत्री, ज़िलाधीशों तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस ओर ध्यान दें तथा इस संबंध में आवश्यक एवं कठोर कदम उठाएँ, जिससे समस्या का उचित समाधान हो सके।

सधन्यवाद।

भवदीय,

जतिन

14.

बाल भारती पब्लिक स्कूल, दिल्ली

सूचना

दिनांक 20 दिसंबर, 20XX

योग कक्षाओं के आयोजन हेतु

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 'बाल भारती पब्लिक स्कूल की ओर से बड़े दिन की छुट्टियों में दिनांक 25 दिसंबर, 2017 से 31 दिसंबर 2017 तक प्रतिदिन प्रातःकाल 8 बजे से 9 बजे तक विद्यालय के प्रांगण में योग की कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। सभी इच्छुक विद्यार्थी अपने नाम, कक्षा व रोल नं. का ब्योरा योगा कॉर्डिनेटर को लिखवा दें।

अवनी शर्मा

योग कॉर्डिनेटर

OR

शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली

सूचना

दिनांक 12 मार्च, 2019

परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम होना

सभी को यह सूचित किया जाता है कि 12 मार्च, 2019 को विद्यालय के खेल परिसर में मेरा परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है। उस पर मेरी फ़ोटो के साथ, मेरा अनुक्रमांक नं. 2321087 भी अंकित है। यदि किसी को भी वह मिले तो मुझे लौटाने की कृपा करें।

खुशी मेहरा

कक्षा-दसवीं 'ब'

15. **नौकर -** साहब, आपने पिछले महीने कहा था कि दीपावली पर आप मेरा वेतन बढ़ा देंगे।

मालिक - अरे ! अभी दो महीने पहले ही तो, तुम्हारा वेतन बढ़ाया गया था।

नौकर - हाँ साहब ! लेकिन आप तो जानते ही हैं कि इस महँगाई के ज़माने में इतने कम वेतन में घर चलाना कितना कठिन होता है।

मालिक - जानता हैं, परंतु मैं इतनी जल्दी-जल्दी तुम्हारा वेतन कैसे बढ़ा सकता हूँ? मुझे भी तो अपना घर चलाना होता है।

नौकर - साहब, त्योहार के समय अतिरिक्त खर्चा होता है। इसलिए आपसे निवेदन है कि इस महीने मेरा वेतन बढ़ा दीजिए।

मालिक - हाँ, मैं समझ सकता हूँ। ठीक है इस महीने मैं तुम्हें कुछ अतिरिक्त रुपये दे दूंगा, जिससे तुम्हारा खर्चा चल जाए।

नौकर - बहुत-बहुत धन्यवाद साहब।

OR

शिवानी - आकृति मैडम! आपको नहीं लगता कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान सामान्य रूप से कम होता जा रहा है।

आकृति - हाँ, आपकी बात काफ़ी हद तक सही है। इसका मुख्य कारण बच्चों की टेलीविज़न, मोबाइल एवं कंप्यूटर में बढ़ती दिलचस्पी है।

शिवानी - मुझे भी लगता है कि इन साधनों का उपयोग बच्चे केवल | मनोरंजन के लिए करते हैं।

आकृति - हाँ, बच्चों को इन साधनों की इतनी अधिक लत लग गई है, जिससे वे पढ़ाई की और ध्यान नहीं देते।

शिवानी - यह बहुत ही चिंता का विषय है। हमें इसका कोई न कोई हल अवश्य निकालना होगा।

आकृति - बिलकुल सही कहा आपने।

16.

जल्दी कीजिए सेल! सेल! सेल!

"मज़बूती में इसका नहीं जवाब,

सामान की करे सुरक्षा बेहिसाब,

इसकी सुंदरता है लाजवाब

(50% तक की छूट)

मोनिका पर्स स्टोर

OR

खुल गया! खुल गया! खुल गया!

"रखे चुस्त-दुरुस्त

बढ़ाए हर एक की शान

रंग है इसके मस्त"

आपका अपना

पीयूष जींस

दो जींस के साथ एक आकर्षण घड़ी बिलकुल मुफ़्त